Gyansara

Folder No.	022296
Granth Name	Gyansara
Author	Bhadraguptavijay
Publisher	Chintamani Parshwanath Jain Shwetambar Tirth
Edition	1
Year	2009
Pages	612

ज्ञानसार

फोल्डर नं.	०२२२९४
ग्रन्थ	ज्ञानसार
लेखक	भद्रगुप्तविजय
प्रकाशक	चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर तीर्थ
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	२००९
पृष्ठ	६१२

मुख्य टाइटल
प्रस्तावना
विषयानुक्रम
चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर तीर्थ हरिद्वार संक्षिप्त परिचय
ज्ञानसार ग्रन्थ के रचयिता न्यायाचार्य न्यायविशारद उपाध्याय श्रीमद् यशोविजयजी
पूर्णता अष्टक---------- १
मग्नता अष्टक ---------- १३
स्थिरता अष्टक ---------- २४
अमोह अष्टक ---------- ३६
ज्ञान अष्टक ---------- ४७
शम अष्टक ---------- ५८
इन्द्रियजय अष्टक ---------- ६९
त्याग अष्टक---------- ८१
क्रिया अष्टक ---------- ९२
तृप्ति अष्टक ---------- ११०
निर्लेपता अष्टक ---------- १२९
निःस्पृहता अष्टक ---------- १४४
मौन अष्टक ---------- १६२
विद्या अष्टक ---------- १७७
विवेक अष्टक ---------- १९३
मध्यस्थता अष्टक ---------- २१०
निर्भयता अष्टक ---------- २२८
अनात्मशंसा अष्टक ---------- २४४

तत्त्वदृष्टि अष्टक ---------- २५९
सर्वसमृद्धि अष्टक ---------- २७५
कर्मविपाक चिंतन अष्टक---------- २९०
भवोद्वेग अष्टक ---------- ३०९
लोकसंज्ञात्याग अष्टक ---------- ३२४
शास्त्र अष्टक ---------- ३४३
परिग्रहत्याग अष्टक ---------- ३६१
अनुभव अष्टक ---------- ३८०
योग अष्टक ---------- ३९८
नियाग अष्टक ---------- ४१६
भावपूजा अष्टक ---------- ४२८
ध्यान अष्टक ---------- ४४४
तप अष्टक---------- ४५७
सर्वनयाश्रय अष्टक ---------- ४७४
विषयक्रम निर्देश ---------- ४८३
उपसंहार ---------- ४९०
परिशिष्ट ---------- ५०४
कृष्णपक्ष-शुक्लपक्ष ---------- ५०४
धअयान ---------- ५१३
अयोजिकाकरण समुद्धात योगनिरोध ---------- ५२४
नयविचार ---------- ५३२
जिनकल्प-स्थविरकल्प ---------- ५४७
उपशम श्रेणि ---------- ५५९
चौदह राजलोक ---------- ५७१
चार अनुयोग ---------- ५८१
तेजोलेश्या ---------- ५८५